the First Year itself and the drop out rate is more even in professional courses like B.Sc. electronics and computer;

(b) whether Government have ever got the matter surveyed; and

(c) if so, what are the details in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) to (c) There does not apear to be any evidence of any serious problem of drop outs in the relevant courses. Government have, however, asked the University of Delhi to compile detailed figures in this behalf.

**Honorarium Paid to Anganwadi Workers**

391. DR. Y. LAKSHMI PRASAD:
SHRIMATI JAYAPRADA NAHATA:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the rate of honorarium payable to Anganwadi workers and helpers in 1996 and the revised rates;

(b) whether workers are protesting against the meagre rise in honorarium; and

(c) steps proposed to pay a respectable honorarium to Anganwadi workers?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI S.R. BOMMAI): (a) The details of honorarium paid to Anganwadi Workers/ Anganwadi Helpers during 1996 and the rates revised with effect from 16.5.97 are given below:

ANGANWADI WORKERS

| | Category | During 1996 | revised rates |
|---|---|---|---|
| 1. | Non-Matriculates. | 350 | 438 |
| 2. | Non-Matriculates with 5 years honorary work. | 375 | 469 |
| 3. | Non-Matriculates with 10 years honorary work. | 400 | 500 |
| 4. | Matriculates. | 400 | 500 |
| 5. | Matriculates with 5 years honorary work. | 425 | 531 |
| 6. | Matriculates with 10 years honorary work. | 450 | 563 |
| | HELPERS | 200 | 260 |

(b) The honorarium of Anganwadi Workers and Anganwadi Helpers has been incresed by 25% and 30% respectively. However, the Government have received some representations from Anganwadi Workers/Associations requesting for further enhancement in their honorarium.

(c) The recent increase in honorarium of Anganwadi Workers/Anganwadi Helpers with effect from May 16, 1997 has been approved taking into account their responsibilities and honorary nature of work. No further increase is, therefore, under consideration of the Government.

**भारतीय क्रिकेट टीम पर किया जाने वाला वार्षिक व्यय**

392. **श्री ईश दत्त यादव**

**श्री रामगोपाल यादव**

**क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :**

(क) भारतीय क्रिकेट टीम पर कितना वार्षिक खर्च

किया जा रहा है और इस खर्च को किस स्रोत से पूरा किया जाता है;

(ख) भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्यों/खिलाड़ियों का चयन किस आधार पर किया जाता है,

(ग) क्या यह सच है कि क्रिकेट खिलाड़ियों के चयन में राजनीतिक दबाब/प्रभाव हावी रहता है; यदि नही, तो विगत में हूए टाइटन मैचो के अलावा अब तक देश-विदेश मे खेले गए सभी मैचो मे भारत की करारी हार के कारण विश्व स्तर पर भारत की क्या छवि उभरी है और क्या सरकार सचमुच भारतीय क्रिकेट की स्थिति मे सुधार करने पर विचार कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो सरकार भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज पंकज राय के बयान और भारतीय क्रिकेट टीम की गिरती साख को ध्यान मे रखते हुए क्या कदम उठाना चाहेगी?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में युवा मामलो और खेल विभाग मे राज्य मंत्री (श्री आर.धनुष्कोडी आदित्यन): (क) पिछले तीन वर्षो के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम पर हुए वार्षिक खर्च का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

(I) 31 मार्च, 1995 को समाप्त हुआ वर्ष 4,40,05,235.00 रूपये

(II) 32 मार्च, 1996 को समाप्त हुआ वर्ष 2,52,74,065.00 रूपये

(III) 31 मार्च, 1997 को समाप्त हुआ वर्ष 4,74,32,509.00 रूपये

यह खर्च भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा निन्म्लिखित से होने वाली आय से वहन किया जाता है:-

(I) स्टेज करने वाले केन्द्रो से गारंटी धन;

(II) स्पान्सरशिप;

(III) भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड मेजबान देश से पारस्परिक आधार पर गांरटी धन लेता है जब मैच विदेशो में खेले जाते हैं।

(ख) टेस्ट मैचों के लिए भारतीय क्रिकेट टीम तथा साथ ही साथ एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैंचो के लिए खिलाड़ियों का चयन उनकी योग्यता के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बी.सी.सी.आई.) द्वारा गठित चयन समिति द्वारा किया जाता है। रणजी, दलीप, देवघर ईरानी ट्राफी और अन्य प्रथम श्रेणी के मैंचों के लिए स्टेट मैचों में अलग-अलग खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाता है और यह अंतिम चयन के लिए आधार बन जाता है।

(ग) भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बी.सी.सी.आई.) जो क्रिकेट के लिए एक राष्ट्रीय स्तर का खेल संघ है, उसकी भारत में क्रिकेट को प्रोत्साहन देने और उसका प्रबंध करने की जिम्मेदारी है। बी.सी.सी.आई. ने सूचित किया है कि खिलाड़ियों का चयन उनकी योग्यता के आधार पर इस बोर्ड द्वारा गठित चयन उनका योग्यता के आधार पर इस बोर्ड द्वारा गठित चयन समिति द्वारा किया जाता है और इसमें किसी भी प्रकार का राजनैतिक हस्तक्षेप अथवा चयन समिति पर कोई भी दबाब नहीं डाला जाता है। उक्त बोर्ड ने इस बात की पुष्टि की है कि दक्षिण अफ्रीका और वेस्ट इंडीज में भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक था और हराने की भावना न होने के कारण यह टीम मैच नहीं जीत सकी। यह बोर्ड भविष्य में ऐसी मिलती-जुलती समस्याओं को दूर करने की दृष्टि से, आधुनिक तकनीके अपनाने के लिए कदम उठा रहा हैं।

(घ) सरकार क्रिकेट समेत विभिन्न खेल विधाओं में भारतीय टीम के प्रदर्शन में सुधार लाने के लिए सभी उपाय कर रही है। राष्ट्रीय खेल संघों की सहायता करने के लिए हाल ही में मार्ग-निर्देशों को संशोधित किया गया है ताकि खेलों के सवंर्धन और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धाओं में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए अपेक्षित सहायता प्रदान की जा सके। यह सच नहीं है कि भारतीय क्रिकेट टीम अपनी साख खो रही हैं।

**50th Anniversary of India's Independence**

393. SHRIMATI VEENA VERMA: SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether any elaborate programme for celebrating the 50th Anniversary of India's Independence has been chalked . out; and